

भारत – सिंगापुर : संयुक्त डाक टिकट

भारत और सिंगापुर में एक दूसरे के साथ द्विपक्षीय संबंध हैं और इसी कारण दोनों देशों के बीच विभिन्न मंचों के माध्यम से अक्सर सक्रिय बातचीत होती है। इससे दोनों देशों को सामान्य हितों के अनेक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलता है। यह सहयोग आर्थिक, वाणिज्यिक और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों को कवर करता है। यह सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी रहे हैं और गत वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंध प्रगाढ़ हुए हैं।

यह वर्ष सिंगापुर और भारत के द्विपक्षीय संबंधों की 50वीं जयंती का वर्ष है। इस महत्वपूर्ण अवसर को मनाने के लिए भारत-सिंगापुर संयुक्त डाक टिकट जारी किया जा रहा है। इस संयुक्त डाक टिकट में दोनों देशों के राष्ट्रपति आवासों – सिंगापुर का इस्ताना और भारत के राष्ट्रपति भवन को अंकित किया गया है।

राष्ट्रपति भवन

यह भवन जो पहले ब्रिटिश वायसराय हाउस था, आधुनिक भारतीय गणराज्य के मध्य में स्थित है। भारत के स्वतंत्र होने के पश्चात, 15 अगस्त 1947 को इसे सरकारी आवास बनाया गया। भारत के अंतिम ब्रिटिश वायसराय और भारत के प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड लुईस माउन्टबेटन के चले जाने के बाद यह 21 जून 1948 को चक्रवर्ती राजगोपालाचारी का आवास बना, जब उन्हें प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल की शपथ दिलाई गई। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा पदासीन होने के उपरान्त 26 जून 1950 को इसका नाम बदलकर राष्ट्रपति भवन रखा गया।

राष्ट्रपति भवन का निर्माण 1913-1929 के बीच हुआ। राष्ट्रपति भवन जोकि किसी राष्ट्रध्यक्ष के सरकारी आवास से सबसे बड़ा, एच आकार की इमारत है। इस इमारत के चार तल जिसमें 227 स्तंभ, 37 फव्वारे और 2.5 कि.मी. लंबा गलियारा है। ये सभी 5 एकड़ में फैले हैं। इस इमारत के अंदर एक केन्द्रीय आनुष्ठानिक हॉल है, जिसे दरबार हॉल कहा जाता है। इसमें सभी प्रमुख राजकीय समारोह आयोजित किये जाते हैं। इसमें 15 अगस्त 1947 को जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की प्रथम सरकार शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था।

राष्ट्रपति भवन में सबसे भव्य कक्ष निर्विवाद रूप से अशोक हॉल है। मूल रूप से बॉलकक्ष, अशोक हॉल में आरकेस्ट्रा बॉक्स भी मौजूद हैं, जहाँ से औपचारिक अवसरों पर राष्ट्रपति के अंगरक्षक तुरहीनाद के साथ राष्ट्रपति के आगमन की सूचना देते हैं। अशोक हॉल को एक विशाल आभूषण मंजूषा के रूप में वर्णित किया गया है। इसका प्रत्येक घटक उत्कृष्ट है। राष्ट्रपति भवन वास्तु शिल्प का एक उत्कृष्ट नमूना है तथा 15 एकड़ में फैला मुगल गार्डन इसकी आत्मा है। इसका भूदृश्यावली पारसी से उत्प्रेरित चारबाग परंपरा के उत्कृष्ट सममिति पर आधारित है। इस परंपरा ने कश्मीर के सुंदर शाही उद्यानों सहित भव्य बाग दिये हैं। मुगल गार्डन फरवरी और मार्च में अपनी सुंदरता के चरम पर होता है, जब इन्हें आम जनता के लिए खोल दिया जाता है। राष्ट्रपति प्रत्येक वर्ष दो भव्य

स्वागत समारोह का आयोजन कराते हैं— 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाने के लिए तथा 15 अगस्त को भारतीय स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए।

इस्ताना

इस्ताना सिंगापुर के राष्ट्रपति का सरकारी आवास और कार्यालय है। इसका डिजाइन और निर्माण कॉलोनिअल इंजीनियर मेजर जॉन फ्रेडरिक अडोलफस मॅक नेयर के द्वारा किया गया था। 1867 में गवर्नर सर हैरी सेंट जॉर्ज आर्ड के अधीन कॉलोनिअल सरकार ने चार्ल्स प्रिंसेप के जायफल के बगान की 100 एकड़ से अधिक भूमि खरीदी। गवर्नर की पत्नी लेडी ऑर्ड के द्वारा जुलाई 1867 में इसका शिलान्यास किया गया।

इस सरकारी आवास के ईंटों के चिनाई का सम्पूर्ण कार्य, बाहरी पलस्तर तथा अधिकांश फर्श और अंदरूनी कार्य भारतीय सजायापता श्रमिकों द्वारा किया गया। उन्हें सुमात्रा के बैकूलन से लाया गया, क्योंकि उस समय अकुशल स्थानीय कुली इस इमारत के क्लासिकल डिजाइन के अनुरूप निर्माण करने में सक्षम नहीं थे। इन सजायापता श्रमिकों ने पत्थर प्रस्तर, नलसाज, बढ़ई, पेन्टर और संगतराशों के रूप में काम किया। उन्होंने स्थल पर निर्मित भट्ठों (ईंटों के निर्माण, साँचे, प्रतिकृतियाँ तथा प्रस्तपाद तैयार करने हेतु) पर भी काम किया। उन्हें प्रतिदिन 20 सेन्ट का भुगतान किया गया।

मेजर मॅक नेयर के प्रथम योजना के आधार पर जुलाई 1867 में इस सरकारी इमारत के निर्माण के लिए विधान परिषद द्वारा \$100,000 की प्रारंभिक राशि स्वीकृत और अनुमोदित की गई। बाद में प्रथम योजना के स्थान पर बड़ी इमारत के लिए मेजर मॅक नेयर से अनुमानित राशि उपलब्ध नहीं कराए जाने की गलती हो गई। भाग्यवश उस समय यह बात फैंल गई की एडिनबर्ग के ड्यूक— महारानी विक्टोरिया के दूसरे पुत्र सिंगापुर का दौरा करेंगे। मेजर मॅक नेयर ने इस अवसर का लाभ उठाया तथा बजट में वृद्धि के लिए अन्य कारणों के साथ यह कारण भी बताया कि ड्यूक के दौरे के लिए इमारत को तैयार करवाने हेतु सन-शेड, लूअर बोर्ड, घंटियाँ और बावर्चीखाने के निर्माण जैसी मदों पर खर्च करना आवश्यक है।

फरवरी 1869 में विधानपरिषद ने बिना प्रश्न किये \$40000 की अतिरिक्त राशि अनुमोदित कर दी। तत्पश्चात जब खाते बंद किये गये तो सरकारी इमारत पर आई लागत \$185000 थी।

डाक विभाग भारत-सिंगापुर विषय पर, भारत का राष्ट्रपति भवन और सिंगापुर का इस्ताना को अंकित करनेवाले दो स्मारक डाक टिकटों का एक सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :-

मूलपाठ : राष्ट्रपति भवन, सिंगापुर पोस्ट और इस्ताना की अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित

डाक-टिकट / प्रथम दिवस : अलका शर्मा
आवरण / विवरणिका
विरूपण



तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

| | | |
|--------------------|---|------------------------------------|
| मूल्यवर्ग | : | 2500, पैसा 500 पैसा |
| Denomination | : | 2500 p, 500 p |
| मुद्रित डाक-टिकटें | : | 3.0 लाख प्रत्येक |
| Stamps Printed | : | 0.3 Million each |
| मुद्रण प्रक्रिया | : | वेट ऑफसेट |
| Printing Process | : | Wet Offset |
| मुद्रक | : | प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद |
| Printer | : | Security Printing Press, Hyderabad |

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास हैं।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure reserved with the Department.

INDIA – SINGAPORE: JOINT ISSUE

India and Singapore enjoy excellent bilateral relationships with each other with frequent and active interaction through different platforms that allow both countries to exchange views on many issues of common concerns. The cooperation covers multiple areas in economic, commercial and also culture. These collaborations have been fruitful and beneficial for both countries and the ties of both countries continue to grow from strength to strength over the years.

This year, 2015 will be the 50th anniversary of Singapore and India's bilateral relationship. To commemorate this significant milestone, the India-Singapore Joint Stamp Issue is being released. Depicted in this joint stamp issue are the presidential residences of both countries – The Istana of Singapore and Rashtrapati Bhavan of India.

Rashtrapati Bhavan:

Formerly the British Viceroy's house, the building that stands at the heart of the modern Indian Republic became Government House on 15 August, 1947, when India gained Independence. It became the residence of Chakravarti Rajgopalachari, the first Indian Governor-General, on 21 June, 1948, when he was sworn in following the departure of Lord Louis Mountbatten, the last British Viceroy and first Governor-General of India. It was renamed Rashtrapati Bhavan on 26 June, 1950, after the assumption of office by the first President of India, Dr. Rajendra Prasad.

Rashtrapati Bhavan was built between 1913 – 1929. Among the largest official residences of any Head of State, Rashtrapati Bhavan is an H-shaped building. The building has four floors with 227 columns, 37 fountains and 2.5 kilometres of corridors – all of its spread across a vast five acres. The central ceremonial hall within the building is known as the Durbar Hall. It is used for all major state functions. The first Government of Independent India under the leadership of Jawaharlal Nehru was sworn-in here on 15 August, 1947.

The grandest room in Rashtrapati Bhavan is, arguably, the Ashoka Hall. Once a ballroom, the Ashoka Hall retains its orchestra box from where, on formal occasion, the President's Bodyguard announces the President's arrival by trumpet. The Ashoka Hall has been described as a 'large jewel box': its every element is exquisite.

If the Rashtrapati Bhavan is a masterpiece of architecture, the 15-acre Mughal Garden is its soul. The landscape follows the exquisite symmetry of the Persian-inspired charbagh tradition, which gave India some of her loveliest gardens, including the beautiful royal gardens of Kashmir. The Mughal Gardens are at their glorious best in February and March when they are thrown open for public viewing. The President hosts two grand receptions here every

year, one to mark Republic Day on 26th January and the other on 15th August, India's Independence Day.

ISTANA:

The Istana is the official residence and office of the President of Singapore. It was designed and built by Colonial Engineer, Major John Frederick Adolphus McNair. In 1867, the Colonial Government under Governor Sir Harry St George Ord bought over 100 acres of land belonging to Charles Prinsep's nutmeg plantation. The foundation stone was laid by Lady Ord, wife of the Governor, in July 1867.

The entire brickwork, exterior of plastering and most of the flooring and interior work of Government House were done by Indian convict labourers. They were brought in from Bencoolen in Sumatra because the unskilled local coolies at that time were not capable of carrying out the classical design. These convict labourers worked as stone masons, plumbers, carpenters, painters and stone cutters. They even operated the kilns (used for making bricks, mouldings, copings and architraves) that were constructed on site. They were paid 20 cents a day.

An initial sum of \$100,000 was voted and approved by the Legislative Council for the building of Government House in July 1867 based on the first plan by Major McNair. A plan for a larger building was subsequently approved in place of the first plan. Major McNair, however, made the mistake of not providing an estimate for the larger building owing to the shortage of staff in the Public Works Department. As a result, there was insufficient fund to complete the Government House. Fortunately, at about this time, it became known that the Duke of Edinburgh – the second son of Queen Victoria – would be visiting Singapore. Major McNair seized this opportunity and cited among other reasons for an increase in budget, that expenditure on items such as sun-shades, louver boards, bells and cook's house was necessary to get the Building ready for a visit by the Duke.

In February 1869, the Legislative Council approved an additional sum of \$40,000 without question. Subsequently, when the accounts were closed, the Government House was found to have cost \$185,000.

Department of Posts is pleased to release a set of two commemorative postage stamps on theme India – Singapore: Joint Issue featuring 'Rashtrapati Bhavan' of India and 'Istana' of Singapore.

Credits:-

Text : Based on the material received from Rashtrapati Bhawan, Singapore Post and official website of Istana.

Stamp/FDC/ : Alka Sharma

Cancellation Cachet

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

भारत और सिंगापुर : संयुक्त डाक टिकट
INDIA-SINGAPORE: JOINT ISSUE

विवरणिका BROCHURE